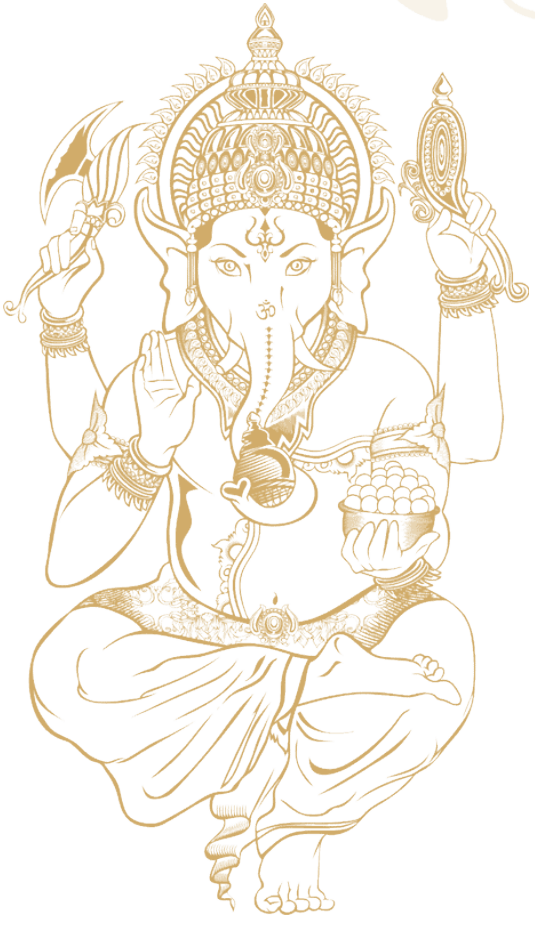

Devanshu

Mansi nagpal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121923801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121923801 Date: 13/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1996	जन्म तिथि	24/04/1999
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:46:00	जन्म समय	17:22:00 घंटे
घटी 00:38:22	जन्म समय(घटी)	28:37:27 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Delhi
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:30:39	सूर्योदय	05:47:31
17:45:18	सूर्यास्त	18:51:44
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:38

धनु	लग्न	कन्या
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कर्क	राशि	सिंह
चन्द्र	राशि-स्वामी	सूर्य
आश्लेषा	नक्षत्र	मघा
बुध	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	1
विष्कुम्भ	योग	गण्ड
वणिज	करण	तैतिल
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	मा-मानवी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	वनचर
मार्जार	योनि	मूषक
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 10मा 26दि		26:09:24	धनु	लग्न	कन्या	21:21:34	केतु 6वर्ष 7मा 14दि	
शुक्र		23:15:57	धनु	सूर्य	मेष	10:01:17	सूर्य	
04/12/2018		17:31:28	कर्क	चंद्र	सिंह	00:42:58	08/12/2025	
04/12/2038		05:54:38	मक	मंगल व	तुला	10:20:41	08/12/2031	
शुक्र	05/04/2022	11:03:44	मक	बुध	मीन	13:54:55	सूर्य	27/03/2026
सूर्य	05/04/2023	07:16:26	धनु	गुरु	मीन	22:48:33	चन्द्र	26/09/2026
चन्द्र	04/12/2024	27:31:39	मक	शुक्र	वृष	20:03:12	मंगल	01/02/2027
मंगल	03/02/2026	26:06:20	कुंभ	शनि	मेष	12:31:48	राहु	26/12/2027
राहु	03/02/2029	28:18:17	कन्या व	राहु व	कर्क	25:21:22	गुरु	14/10/2028
गुरु	05/10/2031	28:18:17	मीन व	केतु व	मक	25:21:22	शनि	26/09/2029
शनि	04/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष	मक	22:38:25	बुध	02/08/2030
बुध	04/10/2037	01:08:24	मक	नेप	मक	10:28:54	केतु	08/12/2030
केतु	04/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:11:49	शुक्र	08/12/2031

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:38

लग्न-चलित

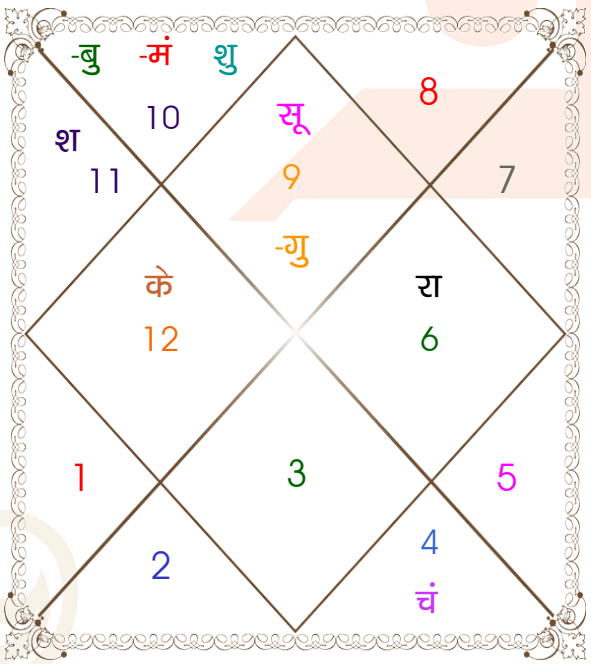

लग्न-चलित

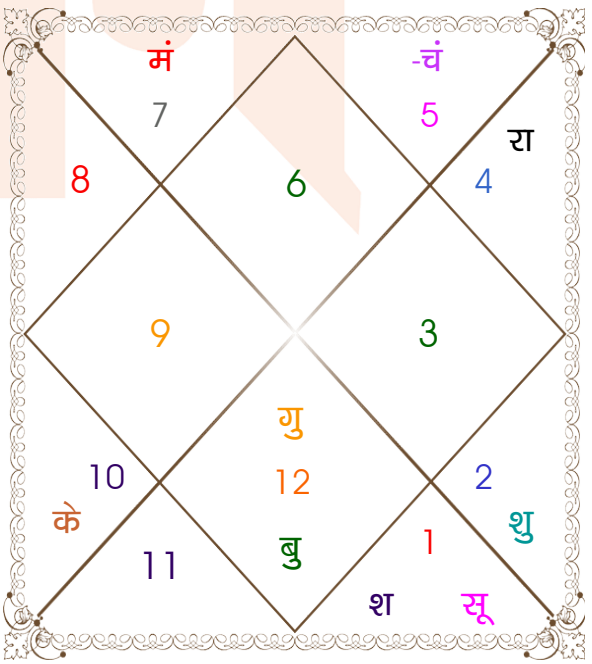

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मूषक	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

कुल : **16 / 36**

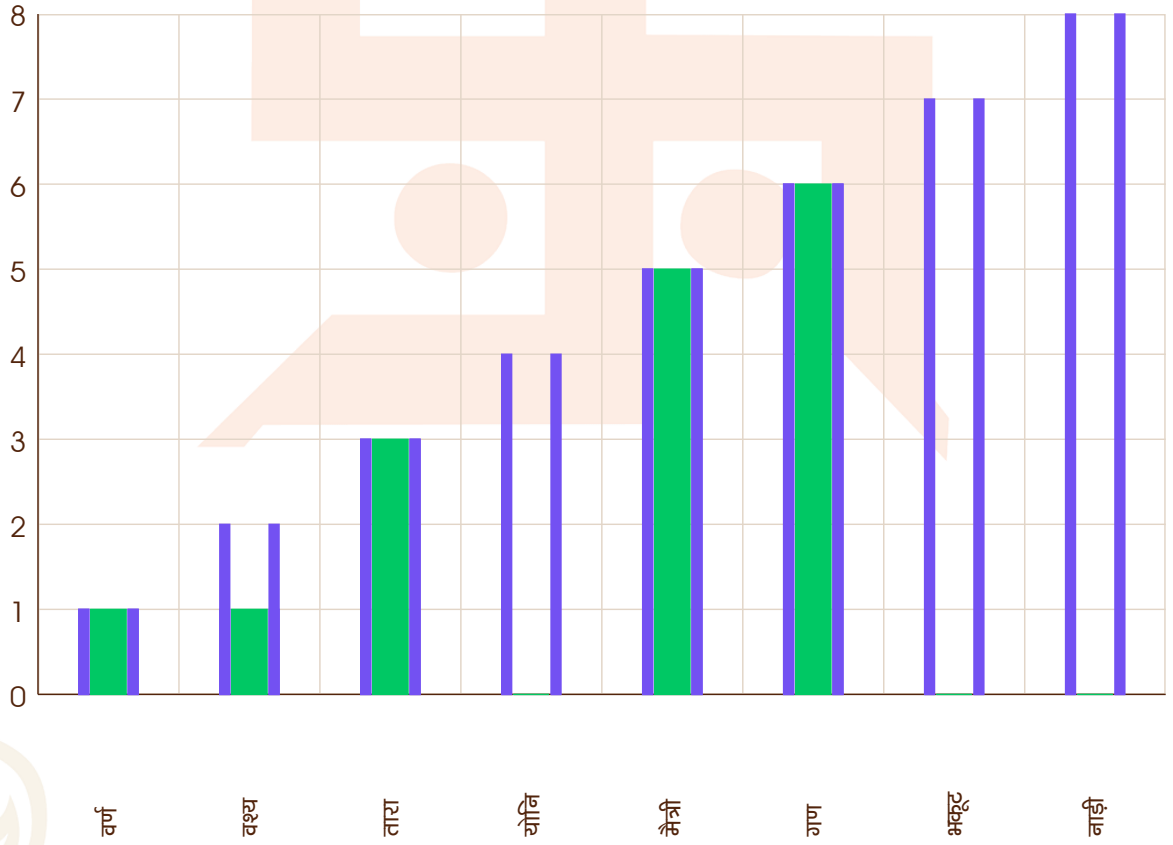

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

क्मअंदीन का वर्ग श्वान है तथा Mansi nagpal का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्मअंदीन और Mansi nagpal का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

क्मअंदीन मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Mansi nagpal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

क्मअंदीन तथा Mansi nagpal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा Mansi nagpal का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Mansi nagpal में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Mansi nagpal आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Mansi nagpal सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

क्मअंदीन का वश्य जलचर है एवं Mansi nagpal का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं वनचर दो भिन्न वश्य हैं किंतु दोनों एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे हालांकि उनके स्वभाव, गुण, खान-पान एवं व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होंगे। जलचर क्मअंदीन एवं वनचर Mansi nagpal का विवाह होने से दोनों के विचारों, पसंद/नापसंद में भिन्नता होने के बावजूद दोनों आपस में समझौता कर एवं सामंजस्य स्थापित कर खुशी पूर्वक जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

तारा

क्मअंदीन की तारा अतिमित्र तथा Mansi nagpal की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। क्मअंदीन हमेशा Mansi nagpal के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

क्मअंदीन की योनि मार्जार है तथा Mansi nagpal की योनि मूषक है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना

चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में क्मअंदीन एवं Mansi nagpal दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि क्मअंदीन एवं Mansi nagpal के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण क्मअंदीन एवं Mansi nagpal जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

क्मअंदीन का गण राक्षस है तथा Mansi nagpal का गण भी राक्षस है। अर्थात Mansi nagpal का गण क्मअंदीन के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण क्मअंदीन एवं Mansi nagpal दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

क्मअंदीन से Mansi nagpal की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Mansi nagpal से क्मअंदीन की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण क्मअंदीन गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Mansi nagpal समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर क्मअंदीन शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

क्मअंदीन की नाड़ी अन्त्य है तथा Mansi nagpal की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्मअंदीन एवं Mansi nagpal की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

क्मअंदीन की जन्मराशि जलतत्व युक्त कर्क तथा Mansi nagpal की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जल का परस्पर शत्रु एवं विषमता का भाव होता है। अतः क्मअंदीन और Mansi nagpal के मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे उनका दाम्पत्य जीवन विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

क्मअंदीन की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा Mansi nagpal की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से मतभेदों एवं असमानताओं को दूर करने में क्मअंदीन और Mansi nagpal को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही मित्रता के भाव से एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर प्यार सहानुभूति एवं सहयोग का भाव बना रहेगा एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन को व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

क्मअंदीन और Mansi nagpal की राशियां परस्पर द्वितीयद्वादश भाव में पड़ती है। यह एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से क्मअंदीन और Mansi nagpal के स्तर पर अत्यधिक विषमता का भाव दृष्टिगोचर होगा जिससे परस्पर मतभेद एवं विवाद होंगे तथा यदा कदा कोध आदि के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। अतः यदि क्मअंदीन और Mansi nagpal सामंजस्य पूर्वक रहें तथा उग्रता के भाव का परित्याग कर सकें तो संबधों में मधुरता का भाव हो सकता है।

क्मअंदीन का वश्य जलचर तथा Mansi nagpal का वश्य वनचर है। इन दोनों की परस्पर मित्रता होने के कारण क्मअंदीन और Mansi nagpal की अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। फलतः काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे जीवन की प्रसन्नता बनी रहेगी।

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा Mansi nagpal का वर्ण क्षत्रिय है। अतः कार्य क्षेत्र में भी इनकी क्षमताओं में समानता रहेगी। क्मअंदीन शैक्षिणक तथा धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे तथा Mansi nagpal की प्रवृति उत्साही पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो के प्रति रहेगी फलतः कार्य क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

धन

Mansi nagpal की तारा सम्पत तथा क्मअंदीन की तारा अतिमित्र है। इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। Mansi nagpal धनवान एवं भाग्यवान होंगी तथा Mansi nagpal के सौभाग्य से क्मअंदीन की आर्थिक स्थिति नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेगी। क्मअंदीन और Mansi nagpal दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में स्थित है जो भकूट दोष माना जाता है। लेकिन मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम

रहेगा। अतः सामान्यतया क्मअंदीन और Mansi nagpal समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Mansi nagpal की प्रवृति अत्यधिक व्ययशील होगी तथा भौतिक साधनों में वह काफी व्यय करेंगी लेकिन उनकी सुदृढ़ आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा समस्त सुखों का उपभोग करते हुए इनका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

क्मअंदीन तथा Mansi nagpal दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Mansi nagpal को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Mansi nagpal को यदा कदा यौन संबंी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से क्मअंदीन और Mansi nagpal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Mansi nagpal के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Mansi nagpal को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

क्मअंदीन और Mansi nagpal बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः क्मअंदीन और Mansi nagpal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Mansi nagpal के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Mansi nagpal धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Mansi nagpal के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Mansi nagpal का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Mansi nagpal से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

क्मअंदीन के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को क्मअंदीन अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी क्मअंदीन के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण क्मअंदीन के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।